विद्या -भवन, बालिका विद्यापीठ ,लखीसराय

नीतू कुमारी , वर्ग -चतुर्थ विषय- हिंदी, दिनांक-23-06-2021

एन.सी.ईआर.टी पर आधारित पाठ -6 बाघ और हाथी

सुप्रभात बच्चों,

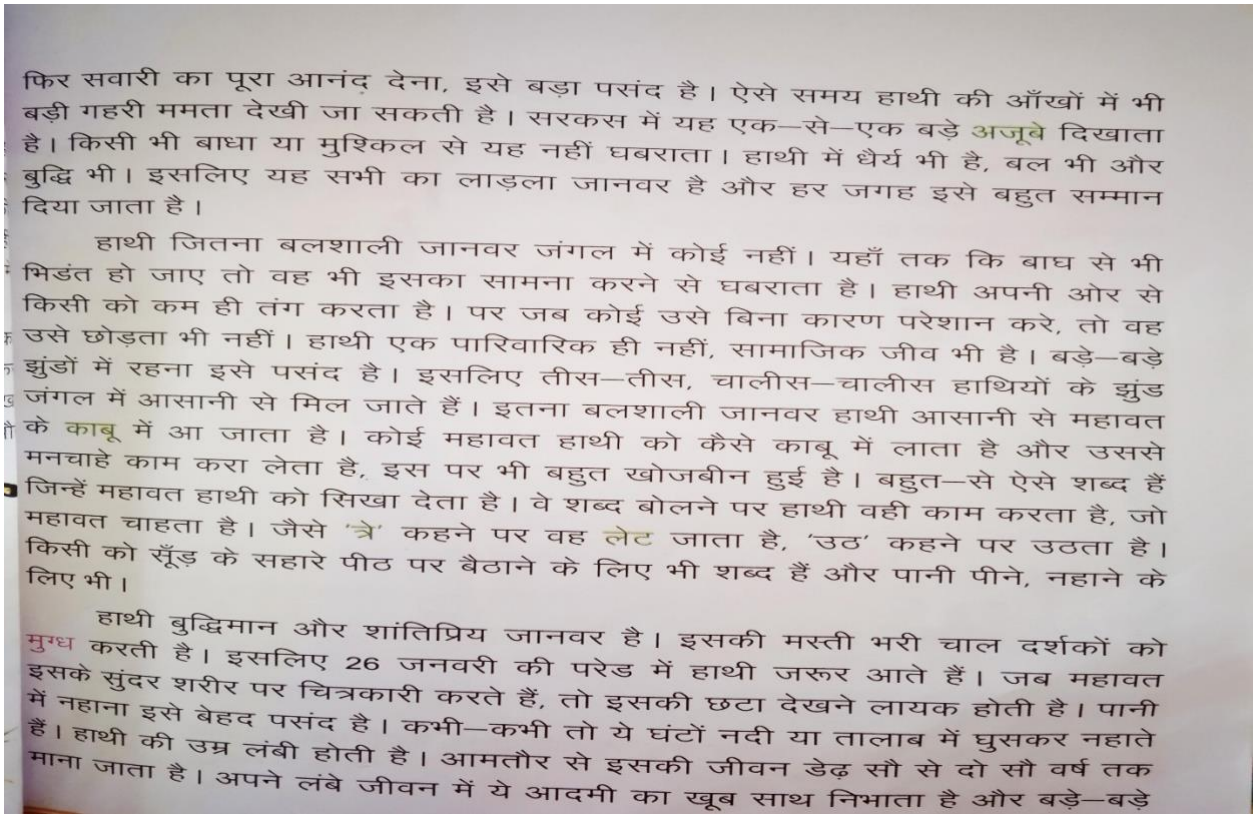

फिर सवारी का पूरा आनंद देना, इसे बड़ा पसंद है। ऐसे समय हाथी की आँखों में भी बड़ी गहरी ममता देखी जा सकती है। सरकस में यह एक—से—एक बड़े अजूबे दिखाता है। किसी भी बाधा या मुश्किल से यह नहीं घबराता। हाथी में धैर्य भी है, बल भी और बुद्धि भी। इसलिए यह सभी का लाड़ला जानवर है और हर जगह इसे बहुत सम्मान दिया जाता है।

हाथी जितना बलशाली जानवर जंगल में कोई नहीं। यहाँ तक कि बाघ से भी भिडंत हो जाए तो वह भी इसका सामना करने से घबराता है। हाथी अपनी ओर से किसी को कम ही तंग करता है। पर जब कोई उसे बिना कारण परेशान करे, तो वह उसे छोड़ता भी नहीं। हाथी एक पारिवारिक ही नहीं, सामाजिक जीव भी है। बड़े—बड़े झुंडों में रहना इसे पसंद है। इसलिए तीस—तीस, चालीस—चालीस हाथियों के झुंड जंगल में आसानी से मिल जाते हैं। इतना बलशाली जानवर हाथी आसानी से महावत के काबू में आ जाता है। कोई महावत हाथी को कैसे काबू में लाता है और उससे मनचाहे काम करा लेता है, इस पर भी बहुत खोजबीन हुई है। बहुत—से ऐसे शब्द हैं जिन्हें महावत हाथी को सिखा देता है। वे शब्द बोलने पर हाथी वही काम करता है, जो महावत चाहता है। जैसे 'त्रे' कहने पर वह लेट जाता है, 'उठ' कहने पर उठता है। किसी को सूँड़ के सहारे पीठ पर बैठाने के लिए भी शब्द हैं और पानी पीने, नहाने के लिए भी।

हाथी बुद्धिमान और शांतिप्रिय जानवर है। इसकी मस्ती भरी चाल दर्शकों को मुग्ध करती है। इसलिए 26 जनवरी की परेड में हाथी जरूर आते हैं। जब महावत इसके सुंदर शरीर पर चित्रकारी करते हैं, तो इसकी छटा देखने लायक होती है। पानी में नहाना इसे बेहद पसंद है। कभी—कभी तो ये घंटों नदी या तालाब में घुसकर नहाते हैं। हाथी की उम्र लंबी होती है। आमतौर से इसकी जीवन डेढ़ सौ से दो सौ वर्ष तक माना जाता है। अपने लंबे जीवन में ये आदमी का खूब साथ निभाता है और बड़े—बड़े

गृहकार्य-

दिए ,गए कहानी पूरे मनोयोग से पढ़ें तथा पढ़कर कठिन शब्द लिखें।